दिल्ली और गुजरात के बीच शीर्ष स्थान की जंग, सिराज और स्टार्क पर रहेंगी नजरें

हमदाबाद। आईपीएल 2025 का 35वां मुकाबला शनिवार (19 अप्रैल) को गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। इस मैच में दोनों टीमों के बीच शीर्ष स्थान के लिए जंग होगी। फिलहाल दिल्ली 10 अंकों के साथ पहले स्थान पर है जबकि गुजरात आठ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। अहमदाबाद में खेले जाने वाले इस मुकाबले में सभी की नजरें मिचेल स्टार्क और मोहम्मद सिराज पर होंगी। सुपरओवर में राजस्थान को हराकर दिल्ली के हौसले बुलंद हैं। उनकी इस जीत में स्टार्क का अहम योगदान रहा। आस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स ने तीन सटीक यॉर्कर डालने के अलावा सुपर ओवर भी फेंका। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद चैंपियंस ट्रॉफी नहीं खेलने वाले स्टार्क पूरी तरह से तरोताजा होकर आईपीएल में उतरे हैं। अभी तक 10 से ऊपर की इकोनॉमी से 10 विकेट ले चुके स्टार्क दिल्ली के तेज आक्रमण की अगुवाई कर रहे हैं जिसमें मुकेश कुमार और मोहित शर्मा भी हैं। उनके सामने अब गुजरात टाइटंस के शीर्षक्रम पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी होगी जिसमें कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन, जोस बटलर शामिल हैं।

गिल-बटलर और सुदर्शन पर लगाना होगा अंकुश

अब तक इन तीनों ने बल्लेबाजी का दारोमदार संभाल रखा है। गुजरात के मध्यक्रम को किसी कठिन परीक्षा से गुजरना नहीं पड़ा और जब लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ इसकी नौबत आई तो वे नाकाम रहे। दिल्ली अगर गुजरात के शीर्षक्रम को जल्दी रवाना कर देती है तो मध्यक्रम की कमजोरी की कलई फिर खुल जाएगी।

सिराज बरपा रहे कहर

दूसरी ओर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में औसत प्रदर्शन और चैंपियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम से बाहर रहने के बाद सिराज ने ब्रेक में अपनी कमियों पर काफी मेहनत की है और नतीजे सामने हैं। सिराज अभी तक 8.50 की इकोनॉमी से 10 विकेट ले चुके हैं। खासकर पावरप्ले में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। अब उनके सामने खराब फॉर्म में चल रहे दिल्ली के सलामी बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क और प्रतिभाशाली अभिषेक पोरेल होंगे। उनके नाकाम रहने पर दिल्ली के लिए रन बनाने का जिम्मा केएल राहुल और करुण नायर पर होगा।

दोनों टीमों में बेहतरीन स्पिनर्स मौजूद

घरेलू क्रिकेट में गुजरात के लिए खेलने वाले दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल अपने घरेलू मैदान पर छाप छोड़ना चाहेंगे। दोनों टीमों के पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। गुजरात के पास साई किशोर और राशिद खान हैं तो दिल्ली की टीम में कुलदीप यादव और विपराज निगम हैं। कुलदीप का खेलना अभी तय नहीं है क्योंकि पिछले मैच में उनके कंधे पर चोट लगी थी और उनकी फिटनेस पर कोई अपडेट नहीं है।

कराची किंग्स के मालिक के बड़े बोल

कहा-विराट कोहली से बड़े खिलाड़ी बनकर लौटेंगे बाबर आजम

नई दिल्ली। पाकिस्तान में इन दिनों पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल 2025) का आयोजन हो रहा है। इसमें पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम पेशावर जाल्मी की तरफ से खेलते दिख रहे हैं। इस बीच कराची किंग्स के मालिक सलमान इकबाल ने बाबर आजम को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में विराट कोहली से बड़े खिलाड़ी बनकर लौटेंगे। पीएसएल के इस सत्र में बाबर पेशावर जाल्मी की तरफ से खेलते दिख रहे हैं। इस सत्र में उनका बल्ला अबतक खामोश रहा है। दो मैचों में उन्होंने सिर्फ एक रन बनाया। इसके बावजूद कराची किंग्स के मालिक का मानना है कि दाएं हाथ के बल्लेबाज जब अपने फॉर्म में वापसी करेंगे तब उनकी तुलना महान विवियन रिचर्ड्स और गैरी सोबर्स से होगी। एआरवाई के पॉडकास्ट में इकबाल ने कहा- जब बाबर आजम फिर से वापसी करेंगे, तो वह विराट कोहली सहित दुनिया के किसी भी अन्य खिलाड़ी से बड़े खिलाड़ी होंगे। उनकी तुलना गैरी सोबर्स और सर विव रिचर्ड्स जैसे नामों से की जाएगी।

गुजरात टाइटंस को मिल गया ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट

श्रीलंका के इस स्टार ऑलराउंडर को टीम से जोड़ा

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस को न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का रिप्लेसमेंट मिल गया है। इस टीम ने श्रीलंका के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर दासुन शनाका को टीम से जोड़ा है। शनाका पूरे सीजन अब टीम के साथ रहेंगे। फिलिप्स को ग्रोइन की चोट के कारण घर लौटना पड़ा था। गुजरात ने फिलिप्स को दो करोड़ रुपये के उनके बेस प्राइस पर नीलामी में खरीदा था। हालांकि, फील्डिंग करते हुए उन्हें चोट लगी और वह पूरी सीजन के लिए टीम से बाहर हो गए। उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। शनाका ने श्रीलंका के लिए 102 टी20 मैच खेले हैं। वह साल 2023 में भी गुजरात टाइटंस के साथ रह चुके हैं। ऑलराउंडर ने उस सीजन सिर्फ तीन मैच खेले थे। उन्हें 75 लाख रुपये के उनके बेस प्राइस पर टीम से जोड़ा गया है। फिलिप्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी। 28 वर्षीय फिलिप्स उस मैच में सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे। वह बाउंड्री रोकने के चक्कर में चोटिल हो गए थे। गुजरात टाइटंस ने बयान जारी कर फिलिप्स को लगी चोट की पुष्टि की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। गुजरात ने बयान में कहा, गुजरात टाइटंस फिलिप्स के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता है। गुजरात की टीम फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। उसने छह में से चार मैच जीते हैं और दो में हार का सामना करना पड़ा है। गुजरात के आठ अंक हैं और उनका नेट रन रेट +1.081 है। शनाका पर इस साल लगे थे गंभीर आरोप शनाका इस साल की शुरुआत में एक विवाद में फंसे थे। उनपर आरोप था कि उन्होंने एक दिन में दो देशों में मैच खेले, जिसकी वजह से उन्हें श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की जांच का भी सामना करना पड़ा था। शनाका पर आरोप था कि उन्होंने आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेलने के लिए घरेलू टूर्नामेंट मेजर लीग से हटने के लिए खुद को चोटिल बता दिया था।

उपकप्तान स्मृति मंधाना ने की बीसीसीआई के प्रयासों की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रयासों की सराहना की है। उनका मानना है कि बोर्ड ने पिछले छह वर्षों में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल है। मंधाना का मानना है कि आईपीएल की तर्ज पर शुरू हुई यह लीग खिलाड़ियों को सशक्त कर रही है। मंधाना ने कहा कि अभी तक इस लीग के तीन सत्र ही खेले गए हैं। इसका असर घरेलू क्रिकेट और महिलाओं के रूझानों पर दिखने लगा है। उन्होंने कहा, अंडर-19 टीम की खिलाड़ियों में बड़ा बदलाव आया है, उन्हें इतनी सारी चीजें पता हैं जो हम अपने दिनों में नहीं जानते थे। इसलिए लीग के आने से काफी विकास हुआ है। अब टीवी पर भी महिला क्रिकेट का प्रसारण होता है, सब भारतीय महिला टीम को जानते हैं। बीसीसीआई ने पिछले छह साल में

महिला क्रिकेट के लिए बहुत काम किया है।

डब्ल्यूपीएल से मिल रही पहचान

मंधाना ने दुबई में 'सिटी क्रिकेट अकादमी' के लांच के मौके पर कहा, पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यूपीएल किस तरह से आगे बढ़ा है, इसे देखने के लिए कितनी सारी लड़कियां आ रही हैं, आप स्पष्ट बदलाव देख सकते हैं। छोटी छोटी लड़कियां भी हमारे पास आ रही हैं और वे क्रिकेटर बनना चाहती हैं जो बहुत अच्छी चीज है। काफी माता-पिता अपनी बच्चियों को अकादमी में भेज रहे हैं ताकि वे डब्ल्यूपीएल में खेल सकें। महिला क्रिकेट अब लोकप्रिय हो रहा है। टी20 क्रिकेट जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, उसे देखते हुए डब्ल्यूपीएल भी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रहा है। डब्ल्यूपीएल उसी तरह काम कर रहा है जैसा आईपीएल ने पुरुष क्रिकेट के लिए किया था। घरेलू क्रिकेट पर भी इसका असर दिख रहा है, लड़कियां डब्ल्यूपीएल खेलकर भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलना चाहती हैं। मंधाना ने इस अकादमी में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में कहा, हम अकादमी में महिला क्रिकेट के विकास पर ध्यान लगाना चाहते थे कि सिर्फ उनके कौशल ही समग्र विकास पर ध्यान दिया जाए। कुछ अकादमियां केवल कौशल पर ध्यान लगाती हैं लेकिन हम चाहते हैं कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत हों। इसमें खेल विज्ञान सहित पोषण का भी ध्यान रखा जाए इसलिए पोषण विशेषज्ञ भी होंगे।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये

बंगलूरू। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है।

एकाग्रह 240 करोड़ रुपये के मालिक

एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इंफोसिस को चौथी तिमाही में मुनाफा घटा

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा। कंपनी अब 15-20 हजार फ्रेशर्स नियुक्त करने पर विचार कर रही है।

आईएमएफ का दावा: यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी

मंदी का कारण नहीं बनेंगे शुल्क

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दावा किया है अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि, आयात शुल्कों में वृद्धि वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ का ये अनुमान अगले सप्ताह यानी मंगलवार को जारी किया जाएगा। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आयात कर वैश्विक विकास को धीमा कर देंगे, लेकिन दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की ताकत की परीक्षा हो रही है, क्योंकि वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और ये बदलाव वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अशांति पिछले कुछ हफ्तों से वित्तीय बाजारों में चल रही है। खासकर वॉल स्ट्रीट पर, जिसने दिन-प्रतिदिन और अक्सर घंटे-दर-घंटे उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है।

देशों से टैरिफ कम करने की अपील

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने ट्रंप प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से अपने टैरिफ और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, व्यापार विकृतियों- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं ने बहुपक्षीय प्रणाली की नकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा दिया है, जो सभी को बराबरी का मौका देने में नाकाम रही है। कुछ जगहों पर लगता है कि उनके साथ गलत हो रहा है। उनका मानना है कि वे नियमों का पालन करते हैं, जबकि अन्य नियम तोड़ते हैं और फायदा उठाते हैं।

अनिश्चितता का कारण बनते हैं टैरिफ

जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा हो सकता है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता के कारण, दर्जनों देशों में टैरिफ से एक ही वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई व्यापार बाधाएं भी विकास को तुरंत प्रभावित करती हैं, और जबकि इससे अधिक घरेलू उत्पादन हो सकता है, इसे लागू करने में समय लगता है। जनवरी में जारी अपने सबसे हालिया अनुमानों में, आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्था के नाममात्र तेजी से बढ़ने और मुद्रास्फीति में कमी आने का अनुमान लगाया था। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी भी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, जिनमें कर कटौती और विदेशी आयातों पर शुल्क में वृद्धि शामिल है, के कारण संभावनाएं कम हो गई हैं। हालांकि, जनवरी के पूर्वानुमानों में बदलाव होने की संभावना है। इसके अलावा, वाशिंगटन स्थित ऋण एजेंसी ने उस समय कहा था कि उसे उम्मीद है कि इस साल और अगले साल विश्व अर्थव्यवस्था 3.3 फीसदी बढ़ेगी, जो 2024 में 3.2 फीसदी होगी।

इंफोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये की स्टॉक विकल्प योजना की मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड ने सीईओ और एमडी सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक प्रोत्साहन या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) देने को मंजूरी दे दी है। ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के तहत हैं, और इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। एक दस्तावेज में कंपनी ने कहा है कि बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद पारेख के लिए इस वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी है। कंपनी के अनुसार इस अनुदान में प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयों (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन-आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी अनुदान) भी शामिल है। 2015 की स्टॉक प्रोत्साहन मुआवजा योजना में अनुदान की तिथि तक 34.75 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाले कंपनी के इक्विटी शेयर शामिल हैं।÷ इंफोसिस ने कहा कि पारेख को यह अनुदान घोषणा की की तारीख से 12 महीने के भीतर दिया जाएगा, बशर्ते कि कंपनी बोर्ड की ओर से प्रदर्शन के लिए निर्धारित लक्ष्यों हासिल कर ले। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी 2 मई, 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना 2 मई, 2025 को कारोबार बंद होने के समय के बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी। कंपनी ने इस दौरान चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 25 का स्कोरकार्ड जारी किया।

भारत में बनते हैं एप्पल के 20 प्रतिशत आईफोन

नई दिल्ली। एप्पल अपने सभी 20 फीसदी आईफोन को भारत में असेंबल करता है। पांच में से एक आईफोन भारत में बनता है। बीते वर्ष की तुलना में ये उत्पादन में लगभग 60 फीसदी की बढ़ोतरी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट की मानें तो चीन से दूर ये कदम निरंतर विविधीकरण का संकेत है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान क्यूपर्टिनो, कैलिफोर्निया स्थित कंपनी द्वारा भारत में 22 बिलियन डॉलर की कीमत के आईफोन बनाए गए है। यह अनुमानित फैक्ट्री गेट मूल्य है न कि अंकित खुदरा मूल्य। कोरोनावायरस के कारण हुए लॉकडाउन के कारण उत्पादन प्रभावित होने के बाद

से एप्पल चीन में उत्पादन से दूर रहने की कोशिश कर रहा है। भारत में, अधिकांश आईफोन फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप के कारखाने में इकट्ठे होते हैं, जबकि टाटा समूह की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण शाखा, जिसने विस्ट्रॉन कॉर्प को खरीदा है और पेगाट्रॉन कॉर्प के संचालन को नियंत्रित करती है, भी एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल भारतीय उत्पादन में से, एप्पल ने 2024-25 में ?1.5 लाख करोड़ (.17.4 बिलियन) मूल्य के एप्पल आईफोन का निर्यात किया। फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ÷पारस्परिक÷ टैरिफ की घोषणा के बाद विशेष रूप से अमेरिका को होने वाले शिपमेंट में तेजी आई। हालाँकि, प्रशासन ने पिछले शुक्रवार को स्मार्टफोन और कंप्यूटर सहित इलेक्ट्रॉनिक सामानों को पारस्परिक टैरिफ से छूट दे दी। हालाँकि, अब एप्पल भारत में ही अपने संपूर्ण आईफोन रेंज का निर्माण करता है, जिसमें अधिक महंगे टाइटेनियम प्रो मॉडल भी शामिल हैं, तथा इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश को विनिर्माण केन्द्र बनाने की महत्वाकांक्षा से जुड़ी राज्य सब्सिडी से भी मदद मिलती है। भारत में इसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 8त्न है, जहां इसकी बिक्री का बड़ा हिस्सा आईफोन से आता है, जो वित्त वर्ष 2024 में लगभग 8 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।